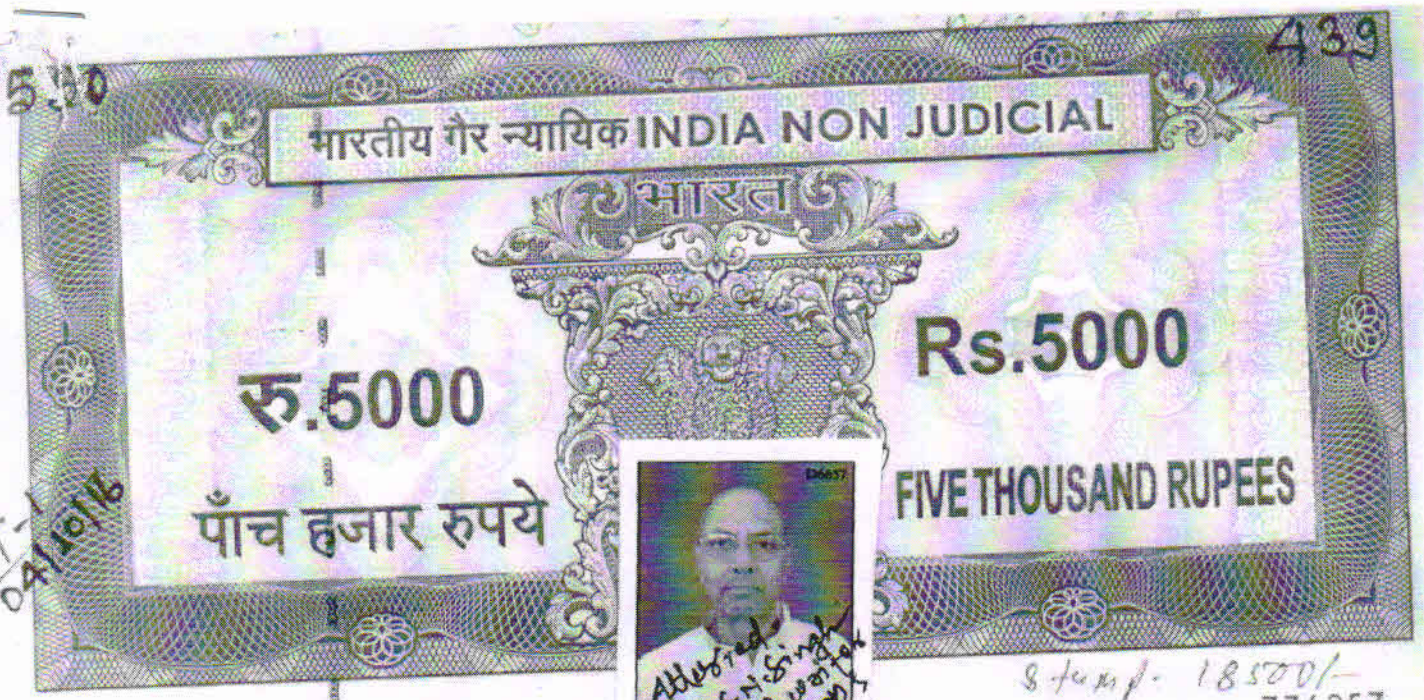

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

376253

झारखण्ड JHARKHAND

SALE - DEED

नाम लेख्यकारी पिता का नाम वो निवास स्थान आदि । (बिक्रेता)	श्री सूर्य नारायण सिंह पिता स्व० राम दर्प सिंह, जाति-राजपूत, पेशा- व्यवसाय, साकिन- चुहा बगान दुमका, थाना- दुमका टाउन, सबडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका, जिला - दुमका, झारखण्ड, भारतीय नागरिक । PAN No. - BTAPS- 9576H
नाम लेख्यधारी पति का नाम वो निवास स्थान आदि । (क्रेता)	श्रीमति सुनिता कुमारी पति श्री पंकज कुमार जाति- राजपूत, पेशा- गृहिणी, साकिन- चुहा बगान दुमका, थाना- दुमका टाउन, सबडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका, जिला - दुमका, झारखण्ड, भारतीय नागरिक । PAN No. - EFDPK- 0393L

सुनिता कुमारी

04 OCT 2016

(18500 =) [illegible]

5000 X 3 = 15000 =
1000 X 3 = 3000 =
500 X 1 = 500 =
18500 =

सूर्य नारायण सिंह
स्व॰ राम दर्प सिंह
बुधा बगान दुमका, राजपूत
दुमका टाउन

अवसाय

Stamp Clerk
Dumka Treasury

4/10/16
10 - 1
दुमका

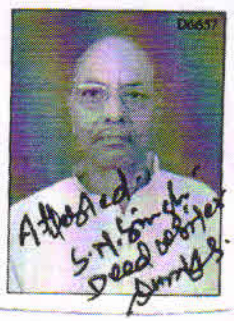

Attested
S.N. Singh
Deed writer
Dumka

सूर्य नारायण सिंह
4-10-2016

सुनिता कुमारी

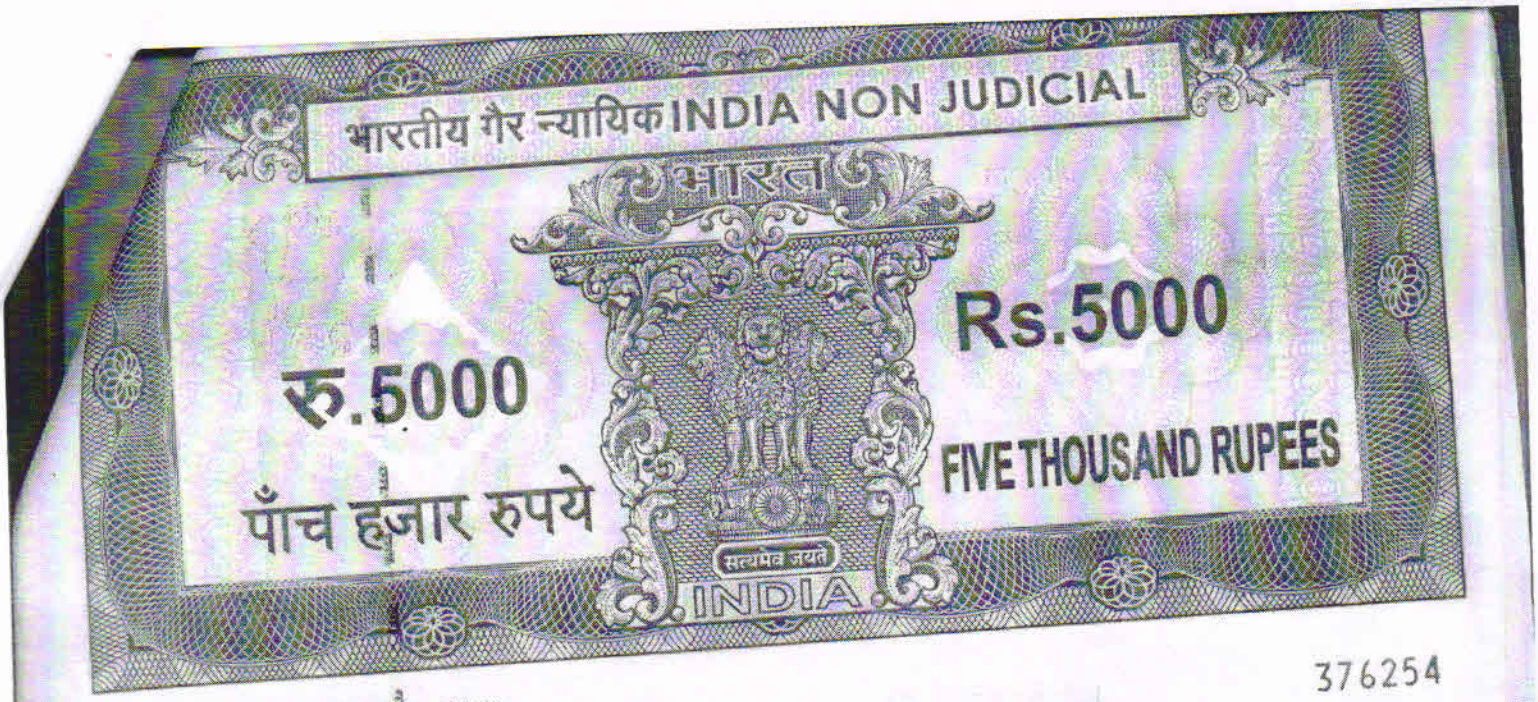

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.5000 Rs.5000

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

376254

झारखण्ड JHARKHAND

सुरेन्द्र नारायण (अ०)
17-10-2016

(2)

लेख्य प्रकार : - **बिक्रय-पत्र (Sale - Deed)**

संम्पति का मूल्य :- मो0 4,58,000/- (चार लाख अन्ठावन हजार) रूपये मात्र।

सम्पत्ति का पूर्ण विवरण, जिसे विक्रय करते हैं। तफसील हक बसौड़ी परती सहन जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि वाँके मौजा दुमका टाउन थाना नं0 - 07, थाना दुमका टाउन, सबडिविजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका, जिला दुमका का तौजी नम्बर 6, बसौड़ी का जमाबन्दी नम्बर 15/6/क नगरपालिका वार्ड नं0 21 जिसका मानचित्र शामिल दस्तावेज में संलग्न है जिसमें बिक्रीत सम्पत्ति को लाल रंग से दर्शाया गया है जिसका दाग नं0, चौहद्दी वो रकवा निम्न प्रकार है :-

दाग नम्बर	चौहद्दी	किस्म बी.क.धु.
1644 (एक हजार छः सौ चौवालीस) का अंश।	उत्तर - बिक्रेता का नीज। दक्षिण - पी.सी.सी. सड़क। पुरब - रामाज्ञा सिंह। पश्चिम - अशोक सिंह।	इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की परती जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि रकवा - मवाजी - 00-01-05 धूर ए. - डी. 0- 2.08

एक कट्ठा पाँच धूर मात्र। सलाना खजाना मोताबिक रसीदी।

सुनिता कुमारी

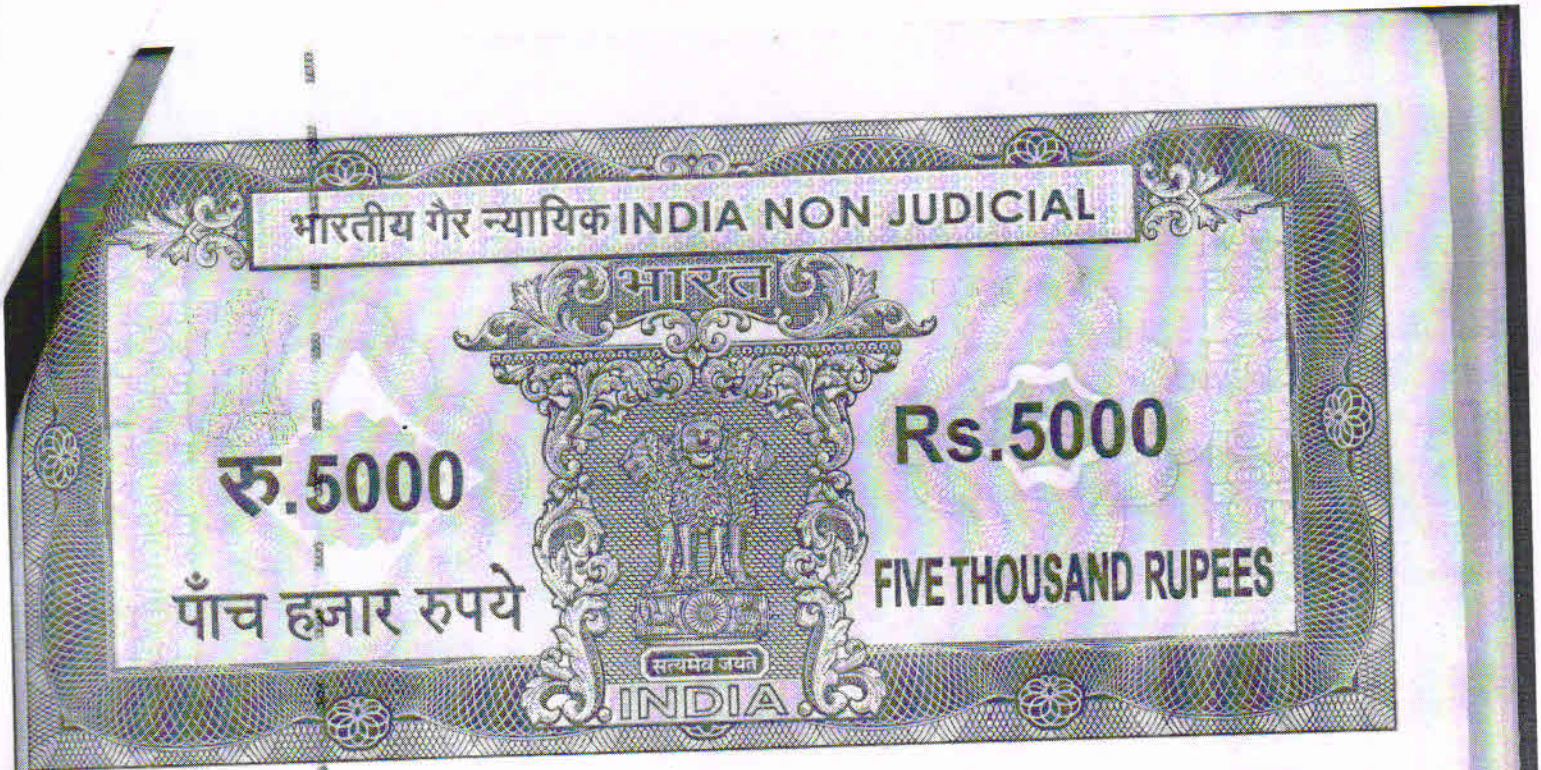

झारखण्ड JHARKHAND

376255

(3)

विदित हो कि उपरोक्त सम्पति को लेख्यकारी ने अपने सहोदर भाई सत्यनारायण सिंह से पारिवारिक व्यवस्था-पत्र जो दिनांक- 08.11.2007 का है के द्वारा अपने अंश में प्राप्त कर अंचल कार्यालय, दुमका में आवेदन देकर नामान्तरण वाद संख्या- 188/2009-10 में पारित आदेश दिनांक- 24.02.2010 के द्वारा अपना नाम पंजी II में दर्ज कराकर साल-ब-साल खजाना देते आ रहे हैं।

यह कि उपरोक्त सम्पत्ति को लेख्यकारी के ज्येष्ठ सहोदर भ्राता श्री सत्यनारायण सिंह ने बजरिये बिक्रय-पत्र संख्या- 3399, जिल्द संख्या- 01, पृष्ठ संख्या- 523 से 525, पुस्तक संख्या- 01, सन् 1974 ई० जिसकी रजिस्ट्री दुमका निबंधन कार्यालय में हुई है के द्वारा दाग नम्बर- 1644 में रकवा 03 कट्ठा तथा बजरिये बिक्रय-पत्र संख्या- 2687, जिल्द संख्या- 23, पृष्ठ संख्या- 136 से 138, पुस्तक संख्या- 01, सन् 1974 ई० जिसकी रजिस्ट्री दुमका निबंधन कार्यालय में हुई है के द्वारा दाग नम्बर- 1644 में रकवा 01 कट्ठा कुल 04 कट्ठा जमीन अपने नाम से क्रय किया। उक्त सम्पत्ति को श्री सत्यनारायण सिंह ने अनिबंधित पारिवारिक व्यवस्था-पत्र के द्वारा श्री सूर्य नारायण सिंह को हिस्से में दिया है।

सत्यनारायण सिंह
4-10-2016

सुमिता कुमारी

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

इस प्रकार उपरोक्त सम्पत्ति को प्राप्त कर लेख्यकारी निर्विवाद रूप से काबिज वो दखलकार हैं। उपरोक्त सम्पत्ति को बिक्रय करने का लेख्यकारी को पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

वर्त्तमान में लेख्यकारी को कुछ सांसारिक खर्च वो अपने व्यवसाय के लिए रूपये का सख्त दरकार है वो बिना बिक्रय किए उपरोक्त बसौड़ी सम्पत्ति के रूपये का मिलना कठिन है, इसलिए लेख्यकारी ने उपरोक्त सम्पति को बिक्रय करने का शोहरत किया, जिसे आप क्रेता ने देखा वो मो0 4,58,000/- (चार लाख अन्ठावन हजार) रूपये में क्रय करने की इच्छा बिक्रीदार पर प्रगट किया। यह कीमत वाजिब कीमत है और इस समय के बाजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया है, अतः बिक्रेता ने उक्त सम्पति को उक्त मूल्य में आप क्रेता को बिक्रय करने की अपनी रजामंदी जाहिर की। इस प्रकार इस सम्पति का मूल्य 4,58,000/- (चार लाख अन्ठावन हजार) रूपये तय हुआ। इसलिए लेख्यकारी बिक्रेता आज अपनी खुशी राजी, अपने मन-मस्तिष्क एवं शरीर के इंद्रियों की स्वस्थ दशाओं में बिना कोई दबाव वो बहकाव प्रसन्नचित एवं स्वच्छन्द वातावरण में क्रेता से उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो0 4,58,000/- (चार लाख अन्ठावन हजार) रूपये नगद एकमुश्त लेकर वो

एपी नारायण लिखे
4-10-2016

04/10/10

सुनिता कुमारी

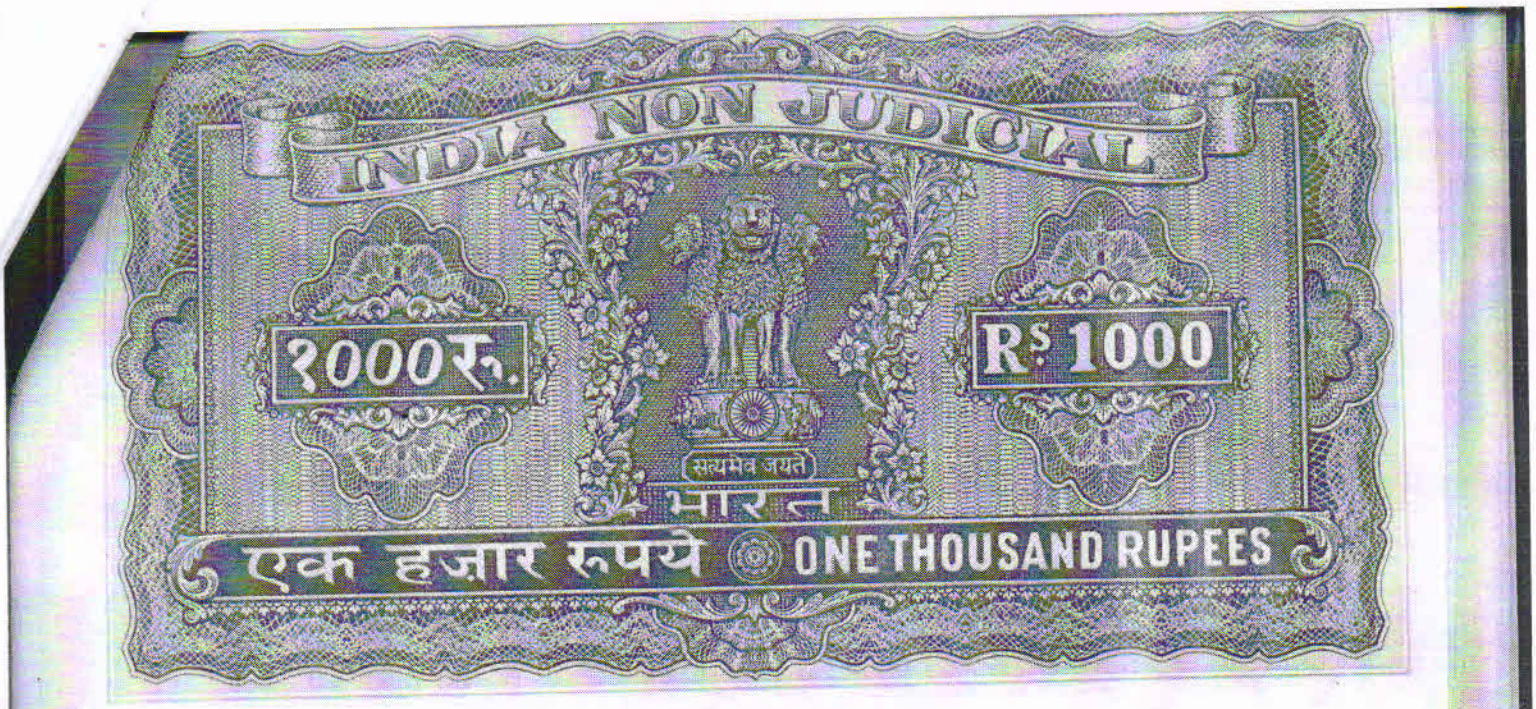

प्राप्त कर खाना नम्बर पाँच की बर्णित सम्पत्ति को क्रेता के हाथ बेचा वो बैलाकलामी किया तथा बिक्रीत सम्पति का सम्पूर्ण मूल्य प्राप्त किया कुछ भी बांकी नहीं रहा। भविष्य में मूल्य न प्राप्त करने का दावा अमान्य वो वातिल होगा। यह कि लेख्यकारी बिक्रेता द्वारा मूल्य का सम्पूर्ण रुपया आप क्रेता से प्राप्त कर उक्त सम्पति को आप क्रेता के पक्ष में बिक्रय कर दिया तथा लेख्यकारी बिक्रेता ने उक्त सम्पति का स्वामित्व अधिकार वो कब्जा वजिनसहुँ (Exactly) आज की तारीख से अपने तुल्य अधिकार करा दिया, यानि दखल दे दिया। इस सम्पति पर लेख्यकारी बिक्रेता को जो स्वामित्व अधिकार प्राप्त है वो जो भविष्य में प्राप्त होता वो सभी स्वामित्व एवं अधिकार वजिनसहुँ आप क्रेता को आज की तिथि से प्राप्त हो गया।

यह सम्पत्ति हरेक वारदेन से पाक-साफ है यानि हर तरह के ऋण-भार से मुक्त है। फिर भी निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का हाल या प्राचीन ऋण-भार पाया जाय। ऐसी हालत में बिक्रेता मय वारिसान हर्जाना आदि भुगतान करने के लिये बाध्य हैं होंगे वो रहेंगे।

अब चाहिए कि क्रेता उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर सरकारी सिरीस्ते में प्रचलित नाम कटवा कर खुद का नाम दर्ज करा लेवें वो साल-ब-साल सिरीस्ते

रघुवीर नारायण सिंह
4-10-2016

सुनिता कुमारी

1000Rs.
INDIA NON JUDICIAL
१000रु.
Rs 1000
सत्यमेव जयते
भारत
एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

में खजाना देकर वसूली का रसीद अपने नाम से प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग-दखल, दान-बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहे करें, इसमें बिक्रेता मय वारिसान को किसी तरह की उजुर-आपत्ति नहीं होगी, न कभी कर सकेगें अगर कोई आपत्ति करे या करें तो वो कुल आपत्ति उचित न्यायालय में अमान्य वो वातिल होगी ।

लेख्यकारी बिक्रेता अपनी राजी खुशी से प्रसन्नचित स्वस्थ मस्तिष्क की स्वस्थ दशा में रहकर आप क्रेता श्रीमति सुनिता कुमारी पति श्री पंकज कुमार से उक्त सम्पति का मूल्य का सम्पूर्ण रुपया प्राप्त कर यह बिक्रय पत्र आप क्रेता के पक्ष में लिख दिया जो प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवे ।

कैफियत :- प्रकाश रहे कि कि क्रेता अपनी खरीदगी जमीन से पूरब तरफ 4 फीट गली छोड़कर ही अपना मकान निर्माण करेंगी । 4 फीट गली रास्ता का उपभोग क्रेता एवं बिक्रेता समान रूप से करेंगे । गली रास्ते के एक तरफ से मकान के पानी के निकास हेतु नाला निकाला जा सकता है जिसे स्लैब से ढक दिया जायेगा । क्रेता पक्ष ग्राउण्ड फ्लोर के बाद ऊपर में निर्माण कार्य स्वयं के प्रयोग हेतु कर सकती है । कोई भी पक्ष किसी हालत् में गली रास्ता अवरूद्ध नहीं करेंगे ।

सत्य नारायण सिंह
5-10-2011

सुनिता कुमारी

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

(7)

इति आज तारीख :- 04.10.2016 ई0 ।

(कम्प्यूटर द्वारा टाईप किया)

Sushil ...

कातिब दस्तावेज :- सुमेश्वर नारायण सिंह साकिन दुमका टाउन, दस्तावेज का मजमून तैयार किया इंकित कराने के बाद पढ़कर लेख्यकारी को सुना व समझा दिया।

सुमेश्वर ...
4/10/16

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छाया चित्र दस्तावेज में लगा है के बाँये हाथ की उँगलियों का निशान मेरे द्वारा लिया गया है

सुमेश्वर नारायण सिंह
दस्तावेज नवीस
दुमका
4/10/16

उपरोक्त सम्पति अन्य सड़क के किनारे है तथा आवासीय है।

सुनिता कुमारी
04-10-2016

सुनिता कुमारी

सुमेश्वर नारायण सिंह
4-10-2016

दुमका टाउन न० 7
दुमका टाउन
बीजन वो जिला दुमका

विक्रेता :- श्री सूर्य नारायण सिंह पिता स्व० राम दर्श सिंह
सा० चुहाबगान दुमका, थाना दुमका टाउन सबडिविजन
वो जिला दुमका, (झारखंड)

क्रेता :- सुनीता कुमारी पति श्री पंकज कुमार सा०
चुहा बगान दुमका, थाना दुमका टाउन -
सबडिवीजन वो जिला दुमका (झारखंड)

5. बंदोबस्ती जमाबंदी न० 15/6 /क
दाग न० 1644/अंश रकबा
बी० क० धु०
0-01-5

बिक्री की गई जमीन लाल रंग से दर्शाया गया है

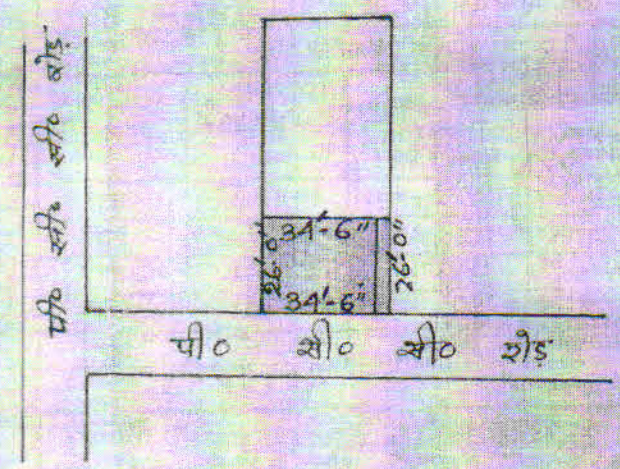

चौहद्दी
उ० निज विक्रेता का
द० - पी० सी० सी० रोड.
पू० - रामाज्ञा सिंह
प० - अशोक सिंह

सूर्य नारायण सिंह
5-10-2016

Traced by:-
अमीन
दुमका

सुनिता कुमारी